भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. †266

सोमवार, 5 फरवरी, 2024/16 माघ, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**इको-पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए परियोजनाएं**

**†266. श्री मनोज तिवारी:**

**डॉ. निशिकांत दुबे:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास देश में इको-पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए कोई प्रस्ताव/स्वीकृत परियोजनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा दिल्ली और झारखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों में इको-पर्यटन परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य-वार क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को कितनी केन्द्रीय वित्तीय सहायता जारी की गई और इस संबंध में कितनी धनराशि व्यय की गई है;

(घ) क्या सरकार को इको-पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए विभिन्न राज्यों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (ड.): पर्यटन मंत्रालय ने देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के लिए वर्ष 2014-15 में अपनी 'स्वदेश दर्शन योजना' (एसडीएस) की शुरूआत की थी । इस योजना के अंतर्गत झारखंड में एक इको थीम परियोजना सहित विभिन्न चिह्नित थीमेटिक परिपथों के तहत देश भर में 5294.11 करोड़ रु. की संशोधित लागत से कुल 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई । एसडीएस के अंतर्गत दिल्ली में किसी भी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी गई तथापि मंत्रालय ने देश में इको पर्यटन थीम के तहत 6 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिनका ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है ।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने देश में संवर्धन एवं विकास हेतु इको पर्यटन को निश पर्यटन उत्पादों में से एक के रूप में चिह्नित किया है और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों,

राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और औद्योगिक हितधारकों के परामर्श से इको पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है ।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) का नया रूप दिया है । संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र योजना दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य संदर्शी योजना तैयार करते हैं और पर्यटन मंत्रालय तदनुसार विकास हेतु गंतव्य का चयन करता है । मंत्रालय ने एसडी2.0 के अंतर्गत विकास हेतु झारखंड में चंडिल सहित देश में 57 गंतव्यों को अधिसूचित किया है ।

*****

**अनुबंध**

श्री मनोज तिवारी एवं डॉ. निशिकांत दुबे द्वारा इको-पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 05.02.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †266 के भाग (क) से (ड.) के संबंध में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना की इको परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

**(राशि करोड़ रु. में)**

| **क्र. सं.** | **राज्य का नाम/वर्ष** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृत राशि** | **निर्मुक्त राशि/ उपयोग हेतु प्राधिकृत** | **राज्य सरकार द्वारा उपयोग की गई राशि** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | उत्तराखण्ड/ 2015-16 | नए गंतव्य - जिला टिहरी के रूप में टिहरी झील और आसपास के विकास के लिए इको-पर्यटन, साहसिक खेल और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास | 69.17 | 69.17 | 69.17 |
| 2. | तेलंगाना/ 2015-16 | महबूबनगर जिलों में परिपथ का विकास (सोमासिला, सिंगोतम, कदलाईवनम, अक्कमहादेवी, एगलानपंटा, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलथीर्थम) | 91.62 | 91.25 | 91.62 |
| 3. | केरल/ 2015-16 | पत्तनमतिट्टा- गवी- वागामोन- तेक्कडी का विकास। | 64.08 | 64.08 | 64.08 |
| 4. | मिजोरम/ 2016-17 | आइजोल - रावपुइचिप - खावफावप - लेंगपुई -चाटलांग- सकावहमुइतुइतलांग - मुथी - बेराटलांग -तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास | 66.37 | 53.09 | 53.09 |
| 5. | मध्य प्रदेश/ 2017-18 | गांधीसागर बांध-मंडलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध-इंदिरा सागर बांध-तवा बांध-बरगी बांध-भेड़ा घाट-बाणसागर बांध-केन नदी का विकास | 93.76 | 89.07 | 88.58 |
| 6. | झारखण्ड/ 2018-19 | इको पर्यटन परिपथ: दलमा-बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिरचैया-नेतरहाट का विकास | 30.44 | 28.83 | 28.04 |

*****